साजन का अधूरा प्यार-2

“प्रेषक : साजन तभी अन्दर से दीदी की आवाज मेरे कानों में पड़ी- वि.. .अम्म्म.. म्म्म्ह.. आआ आआआ.. आआअऊऊ..ऊऊऊओयीईई.. मेरा हो रहा है !और फिर दीदी ने अपने चूतड़ हिलाने बंद कर दिए पर रवि अभी भी निरंतर अपने लंड से दीदी की चूत चोदे जा रहा था और इधर मेरे लंड से भी […] ...”

Story By: saajan (u4saajan)
Posted: Monday, September 17th, 2012
Categories: पड़ोसी
Online version: साजन का अधूरा प्यार-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साजन का अधूरा प्यार-2

प्रेषक : साजन

तभी अन्दर से दीदी की आवाज मेरे कानों में पड़ी- वि.. .अम्म्म.. म्म्म्ह.. आआ आआआ.. आआअऊऊ..ऊऊऊओयीईई.. मेरा हो रहा है !

और फिर दीदी ने अपने चूतड़ हिलाने बंद कर दिए पर रवि अभी भी निरंतर अपने लंड से दीदी की चूत चोदे जा रहा था और इधर मेरे लंड से भी माल निकलने वाला था तो मैं भी अपने लंड को जोर–जोर से हिलाने लगा।

अन्दर दीदी की चूत ने अपना पानी छोड़ा और इधर मेरे लंड से मेरा पानी निकल कर दीवार पर जा गिरा, मेरा लंड अब शांत हो गया था तो मैं अपने लंड को साफ़ कर रहा था।

तभी अन्दर से रवि की आवाज आई, वो दीदी से कह रहा था- तेरा तो हो गया, पर मेरा अभी नहीं हुआ !

तो दीदी ने कहा- मैं बहुत थक गई हूँ, तुम मेरे पास आओ, मैं तुम्हारा लंड चूस कर तुम्हारा पानी निकाल देती हूँ।

इतना कह कर दीदी पलंग पर सीधी लेट गई और रवि को अपने पास बुलाने लगी। तभी दीदी की नजर खिड़की पर पड़ गई और उन्होंने मुझे देख लिया। जब मुझे इस बात का आभास हुआ तो मैंने फटाफट अपनी पैन्ट को सही किया और जैसे मैं घर में अन्दर आया था, वैसे ही घर से बाहर निकल गया।

पर एक बात मुझे समझ नहीं आ रही थी कि दीदी ने न तो रवि से ही कुछ कहा कि मैंने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उन्हें देख लिया है और न ही मुझे रोकने की कोशिश की।

मैं अपने घर में आया और समय देखा तो रात के आठ बज चुके थे, मैंने खाना खाया और कुछ देर बाहर घूमने चला गया। करीब एक घंटे बाद मैं घर पर वापस आया, फिर मैं आराम से बेड पर आकर लेट गया, मेरी आँखों के सामने अभी भी वही सब घूम रहा था, सोचते सोचते कब मुझे नींद आ गई मुझे पता भी नहीं चला।

मेरी आँख सुबह के 8:30 बजे खुली, मैं नहा धोकर नाश्ता कर मैं पढ़ने के लिए बैठ गया। करीब एक घंटे बाद मुझे सुनीता दीदी की आवाज आई, वो मेरी मम्मी से कह रही थी- आंटी जी, साजन कहाँ है ? मुझे कुछ काम है, उसको मेरे घर भेज दो।

मम्मी ने मुझे आवाज देकर बुलाया और कहा- सुनीता बुला रही है तुझे !

तो मैंने कहा- जी, मैं चला जाऊँगा, अभी मैं काम कर रहा हूँ, बाद में चला जाऊँगा।

मम्मी ने मुझे डांटते हुए कहा- जा पहले पूछ कर आ, पता नहीं क्या काम है, वो कल शाम से अकेली है।

मैंने पूछा- कहाँ गए सब दीदी को अकेला छोड़ कर ?

तो मम्मी बोली- उनके किसी रिश्तेदार की मौत हो गई है, सभी वहीं गए हैं, अब तू जल्दी से जा !

इतना कह कर मम्मी ने मुझे जबरदस्ती सुनीता दीदी के घर भेज दिया।

मैं बेमन से दीदी के घर जा रहा था क्योंकि मुझे पता है कि वो कल वाली बात के लिए मुझे कहेगी, मेरी तो गांड फट रही थी पर कर भी क्या सकता था, मैं सुनीता दीदी के घर पहुँच गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दीदी के घर का दरवाजा आज भी बंद था तो मैंने सोचा कि कल वाली गलती नहीं दोहराऊँगा इसलिए मैंने दरवाजे को खटखटाया- ठक–ठक !

दीदी की अन्दर से आवाज आई- दरवाजा खुला है, अन्दर आ जाओ !

मैं घर के अन्दर पहुंचा तो देखा कि दीदी टीवी देख रही थी और घर में दीदी के अलावा और कोई नहीं था। मैंने डरते हुए दीदी को बोला- दीदी, आपने मुझे बुलाया था ?

जैसे ही दीदी ने मुझे देखा तो डर के मारे मैंने अपनी निग़ाह नीचे कर ली। दीदी बोली- बैठ जा !

मैंने कहा- ठीक है दीदी, आप बताओ क्या काम है ?

वो उठी और मेरा हाथ पकड़ कर बेड पर बैठाती हुए बोली- पहले बैठ जा !

और मुझे बेड पर बिठा कर मेरे साथ मुझसे सट कर बैठ गई और मेरा हाथ अपने हाथ में लेकर बोली- एक बात बता, कल जो तूने यहाँ देखा था, वो किसी को बताया तो नहीं ? सच सच बताना !

मैंने कहा- नहीं दीदी, मैंने किसी को नहीं बताया, मैं सच बोल रहा हूँ !

मैं डरते हुए बोला।

दीदी ने अपना एक हाथ मेरी जांघ पर रखते हुए कहा- तूने सही किया जो किसी को नहीं बताया और किसी को बताना भी नहीं ! पता है अगर किसी को इस बारे में पता चल गया तो मेरी बहुत बदनामी होगी क्या तू ये चाहेगा कि मेरी बदनामी हो ?

और इतना कहते कहते दीदी ने अपना हाथ मेरे लंड पर रख दिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पहले तो मेरी गांड फट रही थी पर अब जो हो रहा था उससे मेरे तो कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था कि यह क्या हो रहा है, अब मेरे मन से दीदी का डर निकल चुका था, मुझे चुप देखकर दीदी ने अपने हाथ से मेरी पैन्ट की चेन खोल दी, पैन्ट के अन्दर अपना हाथ घुसा दिया और मेरे अंडरवियर से मेरा लंड बाहर निकलने लगी। मैं तब भी चुप रहा मुझे तो अब मज़ा ही आ रहा था। जैसे ही दीदी ने मेरे लंड को छुआ तो मेरे लंड में हलचल होने लगी और वो अपना सर उठाने लगा। मैं चुपचाप दीदी को बिना कुछ बोले देखे जा रहा था, दीदी ने मेरा लंड अंडरवियर से और पैन्ट से बाहर निकाल दिया। अब तक मेरा लंड पूरा खड़ा हो चुका था, जैसे ही दीदी ने लंड को देखा तो उसके मुँह से निकला- वाह, क्या बात है, तू तो पूरा जवान हो गया है, क्या मस्त लंड है तेरा !

इतना कह कर दीदी अपने हाथ मेरे लंड को मसलने लगी, मेरा लंड मसलते हुए दीदी ने मेरी आँखों में झांकते हुए फिर कहा- तू अभी रुक, मैं अभी आई !

और दीदी कमरे से बाहर निकल गई, मुझे दीदी की आँखों में एक अजीब सी चमक लग रही थी।

दो मिनट बाद ही वापस आ गई, आते ही दीदी ने कहा- बाहर का दरवाजा खुला हुआ था, उसको बंद करके आई हूँ !

और इतना कह कर बेड पर न बैठ कर नीचे जमीं पर बैठ गई, मेरे पैरों के बीच में !हजारों कहानियाँ हैं अन्तर्वासना डॉट कॉम पर !

दीदी मेरी पैन्ट खोलने लगी, पहले मेरी पैन्ट उतारी फिर अंडरवियर उतार दिया। मैं चुप रहा और देखता रहा कि और क्या करेगी।

उसके बाद दीदी ने मेरे लंड को अपने कोमल हाथ में लिया और मेरे लंड हिलाते हुए बोली-

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तूने मुझे बताया नहीं क्या तू यह चाहेगा कि मैं बदनाम हो जाऊँ ?

मुझे बहुत मज़ा आ रहा था उस वक़्त, मैंने कहा- नहीं दीदी, मैं किसी को नहीं बताऊँगा !

दीदी बोली- शाबाश, इसके लिए तो तुझे कुछ इनाम मिलना चाहिए !

और इतना कह कर दीदी ने मेरे लंड के ऊपर की खाल नीचे कर के मेरे लंड को अपने मुँह में ले लिया और उसको चूसने लगी। उस वक़्त मुझे नशा सा होने लगा, ऐसा नशा जो पहले कभी नहीं हुआ था, मैं आकाश में सैर कर रहा था, मुझे इतना मज़ा आ रहा था कि मैं ब्यान नहीं कर सकता।

मैं अपनी आँखें बंद किये हुए था और दीदी मेरा लंड चूस रही थी। तभी उन्होंने मेरा लंड अपने मुँह से बाहर निकाला तो मुझे लगा पता नहीं अब क्या हुआ।

दीदी बोली- एक बात तो बता कि कल तू आया क्यों था ? क्या काम था तुझ को ?

मुझे अजीब सा लगा, दीदी मेरा लंड चूसना बंद कर यह सवाल पूछने लगी, मैंने दीदी को बोला- मैं आपको बाद में बता दूँगा, अभी आप जो कर रही हो, उसे करते रहो, मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।

इस पर दीदी ने मेरे लंड को जोर से पकड़ के मसल दिया और बोली- ठीक है, मैं तेरे लंड को चूस रही हूँ और तू मुझे बताता जा ! अब ठीक है ?

इतना कह कर दीदी फिर से मेरा लंड चूसने लगी और इशारे से बोली- बता ?

मैं बोला- दीदी आपने सुधा से पूछा कि वो क्यों मना कर रही है ?

इतना सुनते ही दीदी ने हल्के से में लंड पर अपने दांत से काटते हुए अपने मुँह से म्रेरा लंड

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

निकलते हुए बोलने लगी, मेरे मुँह से हल्की सी चीख निकल गई- आईईइ ! क्या करती हो दीदी ? दर्द होता है !

तो दीदी बोली- हाँ, मैंने बात की थी पर वो कहती है कि दीदी, सब लड़के ऐसे ही होते हैं और अपना मतलब निकाल कर फिर वो बात तक नहीं करते। और फिर मैं उनके घर के लायक भी नहीं हूँ। उनका अपना घर है और हम किराये पर रहते हैं। फिर पता नहीं कि उनके घर वाले मुझे अपनाये भी या नहीं !

इतना कह कर दीदी चुप हो गई और मेरी तरफ़ ऐसे देख रही थीं जैसे मुझसे मेरा जवाब मांग रही हों। और फिर वो मेरे लंड से खेलने लगी।

“दीदी, मैं ऐसा नहीं हूँ ! मैं अपने घर वालों को राजी कर लूँगा, पर आप उसको बोल दो कि मैं उसको सच्चा प्यार करता हूँ, उसके बिना नहीं जी पाऊँगा मैं !

मेरी यह बात सुनकर कर दीदी ने मेरे लंड को इतनी जोर से मरोड़ दिया कि मेरे मुँह से चीख निकल गई- ऊऊऊऊऊईईईईइ दीदी ! दर्द होता है। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

दीदी ने मेरे चीख पर कुछ ध्यान नहीं दिया और बोली- फिर कभी मरने की बात मत करना, तुझे सुधा चाहिए, वो तुझे मिल जायेगी पर एक शर्त पर !

“क्या दीदी !” मैंने कहा।

दीदी बोली- हमारे बीच क्या हुआ है, और क्या होगा तू किसी को नहीं बताएगा, यहाँ तक कि सुधा को भी नहीं, और कभी मुझसे दूर नहीं होगा तो मैं तेरी मदद कर सकती हूँ।

“ठीक है दीदी, मैं ऐसा ही करूँगा जैसा आप कहोगी !”

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी बात सुन कर दीदी खुश हो गई और फिर से मेरे लंड को चूसने लगी। दीदी मेरा लंड ऐसे चूस रही थी जैसे कोई बच्चा लोलीपोप चूसता है।

मैं तो आनन्द में उड़े जा रहा था, मेरा हाथ दीदी के बालों को सहला रहा था, मैं दीदी से बोला- दीदी एक बात पूछूँ ?

दीदी ने अपने मुँह से मेरा लंड निकला और बोली- हाँ पुछ ! पर अब तुम मुझे दीदी मत कहा करो, तुम मेरा नाम लिया करो।मैंने कहा- पर आप तो मुझे से कई साल बड़ी हो तो मुझे अच्छा नहीं लगेगा आप का नाम लेते हुए।

दीदी बोली- सबके सामने तो तुम मुझे दीदी ही कहा करो पर जब हम अकेले हो तो मेरा नाम लिया करो या फिर जान-जानू कहा करो ! मैंने कहा- ठीक है दीदी।

दीदी ने मेरी तरफ आँख निकलते हुए मेरे लंड को जोर से मसल दिया, फिर से मेरे मुँह से चीख निकल गई- अऐईईई सॉरी जान ! अब मैं तुमको जान ही कहा करूँगा !

मेरे मुँह से जान सुनकर मुस्कुराने लगी और बोली- हाँ, अब बोलो, क्या पूछ रहे थे तुम ?

इधर मैंने कहना शुरू किया, उधर सुनीता मेरे लंड को अपने हाथ से ऊपर नीचे करने लगी। मेरा लंड तो सुनीता के थूक से इतना गीला हो चुका था कि जब सुनीता मेरे लंड की मुठ मार रही थी, तो उसका एक अनोखा ही मज़ा आ रहा था।

मैं बोला- जान तुम रवि से कब से चुदवा रही हो ?सुनीता बोली- बस अभी कुछ ही दिन से बस, 4-5 बार ही चोदा है मुझे रवि ने, पर अब तू मिल गया है तो मैं उससे चुदवाना छोड़ दूँगी क्योंकि मुझे डर है कहीं वो अपने दोस्तों में मुझे बदनाम न कर दे, तुमसे चुदवाने में मुझे कोई खतरा भी नहीं है, क्योंकि कोई हमारे ऊपर कोई शक भी नहीं करेगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने सुनीता को बोला- ठीक है जान, तुम मुझे जब भी बुलओगी मैं आ जाऊँगा।

सुनीता के चेहरे पर मुस्कान आ गई और फिर सुनीता ने मेरे लंड को मुठ मारते हुए अपने गुलाबी होंठ मेरे लंड पर रख कर चूसने लगी, करीब 7 से 8 मिनट ऐसा करने से मेरे लंड से कुछ निकलने को हुआ तो मैंने सुनीता को कहा- जान, मेरा पानी निकलने वाला है, तुम अपना मुँह हटा लो !

पर उसने मेरी बात को अनसुना कर दिया और मग्न हो कर मेरा लंड चूसने लगी और फिर वही हुआ, जो उसके बाद होना चाहिए था, मेरे लंड से 8–10 बूंद वीर्य की निकल गई, सुनीता मेरा सारा माल पी गई और मेरा लंड चाट चाट कर बिल्कुल साफ़ कर दिया, मेरे माल की एक भी बूंद उसने बेकार नहीं की।

सुनीता ने अभी मेरा लंड चाट कर साफ किया ही था कि तभी दरवाजे पर दस्तक हुई तो सुनीता ने कहा- जल्दी से अपनी पैन्ट पहनो !मैं दरवाजा खोल कर आती हूँ, और मैं तेरा काम आज ही कर दूँगी, जल्दी कर !

मैंने भी वक़्त की नजाकत को समझते हुए जल्दी से अपनी पैन्ट पहनी और आराम से बेड पर बैठ गया। इतने में सुनीता ने दरवाजा खोल दिया, बाहर मेरी मम्मी थी और वो घर के अन्दर आकर सुनीता से बोली- कहाँ है वो, उसके दोस्त आये हैं।

सुनीता ने कहा- आंटी, अभी भेज रही हूँ, मेरा काम ख़त्म हो गया है।

सुनीता ने मुझे आवाज दी और कहा- भाई, आंटी जी आई हैं तुम घर जाओ, जब जरुरत होगी, मैं बुला लूँगी।

मैं बाहर आकर बोला- ठीक है दीदी, जब कोई काम हो तो बुला लेना।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

इतना कह कर मैं मम्मी के साथ अपने घर चला गया। घर आकर टाइम देखा तो 11 बज चुके थे।

घर पर मेरे दोस्त मेरा इन्तजार कर रहे थे तो मैं उसके साथ बाहर घूमने चला गया, दोपहर के दो बजे में वापस घर आया तो देखा सुनीता अपने घर के बाहर खड़ी होकर सुधा से कुछ बात कर रही है, वो दोनों बात करने में इतनी मग्न थी कि उन्होंने मेरी तरफ देखा भी नहीं और वो बात करती रही।

मैं अपने घर के अन्दर चला गया और फिर मैंने खाना खाया और जो फिर जो काम अधूरा रह गया था, उसको पूरा करने लगा।

करीब तीन बजे मेरा काम खत्म हो गया तो मैं अपने घर से बाहर निकला तो देखा कि सुनीता बाहर खड़ी होकर मेरा ही इन्तजार कर रही थी, उसने मुझे इशारे से अपने पास बुलाया।

मैं उसके पास पहुँच गया, सुनीता बोली- तेरे लिए खुशखबरी है !मैंने कहा- क्या ?

तो वो बोली- सुधा मान गई गई, मैंने उसको काफी देर तक समझाया तब जाकर उसकी समझ में मेरी बात आई। एक काम करना, जब सुधा की दादी चली जाए चार बजे, तो उससे मिल लेना !

यह बात सुनकर मैं बहुत खुश हुआ, मेरा तो मन कर रहा था कि अभी सुनीता के होंठ चूम लूँ पर वो इस समय बाहर खड़ी थी, अगर कही घर में अकेली मिल जाती तो मैं चूम ही लेता उसके होंठों को।

अब आलम यह था कि मुझसे समय कट नहीं रहा था, बार बार मेरी निग़ाह घड़ी की सुइयों को देख रही थी, किसी तरह चार बजे बजे तो मैं अपने घर से बाहर निकल कर आया तो

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

देखा कि सुधा की दादी जा चुकी थी, सुनीता बाहर खड़ी होकर मेरा ही इंतजार कर रही थी।

मैं सुनीता के पास गया तो वो बोल पड़ी- अब जल्दी से जा, तेरी लाइन क्लीयर है।

मैंने कहा- ठीक है, मैं अन्दर जा रहा हूँ, अगर कुछ गड़बड़ हो तो संभाल लेना !

उसने मेरा हाथ पकड़कर हल्के से दबाया तो मैं समझ गया कि कह रही है बेफिक्र हो कर जाओ, मैं सब संभाल लूँगी।

मैंने भी सुनीता का हाथ हल्के से दबाया, हम दोनों ही मुस्कुरा दिए और फिर मैं सुधा के घर की तरफ चल दिया।

जैसे ही मैं सुधा के घर के अन्दर घुसा तो देखा, वो बर्तन साफ़ कर रही थी। मैं उसके सामने बेड पर बैठ गया, सुधा मुझे ही देखे जा रही थी, मैंने कहा- कुछ सोचा मेरे बारे में ?

तो वो बोली- पहले एक बात बताओ कि पैर में चोट कैसे लगी ?

मैंने सुधा से झूठ बोला- बस से उतर रहा था तो लग गई !

पर उसको मेरी बात पर यकीन ही नहीं हुआ, कहने लगी- मुझे पता है यह सब मेरी वजह से हुआ है, आप मुझसे झूठ बोल रहे हो।

मैंने हसंकर कहा- नहीं वो बात नहीं है, पर तुम बताओ क्या फैसला है तुम्हारा ?

सुधा ने कहा- मैं नहीं बता रही।

मैं खड़ा हुआ और जैसे ही मैंने सुधा का हाथ पकड़ा, उसने बर्तन साफ़ करने बंद कर दिए

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

और खड़ी हो गई, जब तक मैं उस से सट चुका था और उसकी आँखों में देखते हुए मेरे मुँह से दो लाइन निकल गई :

आँखों में इकरार है,

होंठों पर इंकार है !

इतना सुने के बाद उसने इन लाइनों को पूरा कर दिया, वो बोली-

बोलो सनम, ये कैसा प्यार है !

इतनी बात सुनकर तो मैं उससे और भी चिपक गया और वो मुझसे पीछे हटते हुए दीवार से जा लगी, मैंने उसके दोनों हाथों को पकड़ कर ऊपर दीवार से लगा दिए। अब वो पूरी मेरे गिरफ्त में थी, मैंने उसको बोला- बता ना, क्या जवाब है, क्यों तड़पा रही है ?

तो उसने कुछ नहीं कहा, बस 'हाँ' में अपना सर हिला दिया।

मैंने कहा- सच में ?

तो वो मुस्कुराने लगी।

दोस्तो, एक कहावत तो आपने सुनी ही होगी, 'हंसी तो फ़ंसी !'

फिर क्या था, मैंने उसके गुलाबी रस भरे होंठों पर अपने होंठ रख दिए और उसको चूमने लगा।

दोस्तो, मैं आपको बता दूँ कि वो मेरी जिंदगी का पहला चुम्बन था, न जाने हम दोनों एक दूसरे को कितनी देर तक चूमते रहे, हम एक दूसरे को पागलों की तरह जब तक चूमते रहे,

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब तक हम दोनों थक नहीं गए।

सुधा के होंठ और मेरे होंठ थूक से गीले हो गए थे। मैंने अपनी जेब से रुमाल निकाला और अपना मुँह साफ़ करने के बाद सुधा के होंठ साफ़ किये, फिर एक छोटी सी चुम्मी ली तो सुधा बोल पड़ी- अब आप जाओ मेरे साजन ! कहीं किसी ने देख लिया तो मुसीबत आ जाएगी। और मैं नहीं चाहती कि कोई मुझे आप से दूर कर दे !

मैं भी नहीं चाहता था कि वो किसी भी मुसीबत में आये तो मैं सुधा को 'आई लव यू जान' कह बाहर आ गया।

बाहर सुनीता खड़ी थी तो मैं सीधे उसी के पास चला गया।

उसने मुझसे पूछा- क्या हुआ अन्दर ?

तो मैंने अपने होंठों पर अपनी जीभ फिरा कर उसको दिखा दी, मेरी इस हरकत को देख कर वो मुस्कुराने लगी, शायद वो सब समझ चुकी थी, उसको बताने की कोई जरुरत नहीं थी।

उसके बाद हम मिलते रहे और एक दिन मैंने अपने पापा को सब कुछ सच सच बता दिया कि मैं सुधा को पसंद करता हूँ, तो मेरे पिताजी ने कहा- ठीक है, पर तू कम से कम अपने पैरों पर तो खड़ा हो जा ! फिर देखते हैं।

मेरे घर में सबको पता चल गया था, मेरी मम्मी ने सुधा से बात की और वो मेरी मम्मी को भी पसंद आ गई।

जब सुधा के घर में सब को पता चल गया तो हमारा मिलना बहुत ही कम हो गया पर इससे हमारा इश्क कम नहीं हुआ बल्कि हमारा प्यार और भी मजबूत होता रहा।

जब भी मुझे या उसको अवसर मिलता तो हम एक दूसरे की बाहों में खो जाते थे। हमारे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

साथ ऐसा कई बार हुआ कि हम दोनों एक ही बिस्तर पर एक दूसरे की बाहों में पड़े रहते थे, पर मैंने कभी भी उसको चुम्बन के अलावा और कुछ नहीं किया, यह मेरी शराफत थी या प्यार, यह तो आप ही बेहतर बता सकते हैं।

अब तक हमारे प्यार की उम्र भी 9 साल हो चुकी थी, सच में दोस्तो, हमारा अफेयर 9 साल चला।

पर कहते है न, किस्मत से ज्यादा और समय से पहले कुछ नहीं मिलता, पर किस्मत को तो कुछ और ही मंजूर था, उसके घर वालों ने उसकी शादी जबरदस्ती किसी और से कर दी और मुझे पता भी नहीं चल पाया। पता नहीं मैं उसके घर वालों को पसन्द नहीं था, मेरे घर वालों ने मेरी शादी की बात भी की उसके घर जाकर, पर उन लोगों ने मना कर दिया।

मुझे करीब 15 दिन बाद पता चला कि सुधा की शादी हो गई है, तो मैं सन्न रहा गया।

दोस्तो, यह थी मेरी एक छोटी सी लव स्टोरी !

मैं आपसे एक बात पूछना चाहता हूँ क्योंकि यह सवाल मुझे कभी कभी परेशान कर देता है, मैंने सुधा के साथ सेक्स ना करके कोई गलती तो नहीं की ?

पर मैं आपको अपनी राय भी दे देता हूँ, मुझे लगता है कि जिस लड़की से हम सच्चा प्यार करते हैं तो उसके बारे में ऐसे विचार दिमाग में आते ही नहीं हैं। और मैंने सही किया जो उसके साथ सेक्स नहीं किया क्योंकि मेरा मानना है कि कम से कम वो मुझे इस बहाने याद तो रखेगी कि 9 साल में मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जिससे उसके दिल को ठेस पहुँचे।

इस 9 साल के सफ़र में मेरे साथ अनेक घटनाएँ घटी, उन सबको को कहानी के रूप में मैं लाता रहूंगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मेरी कहानी कैसी लगी, मुझे जरुर लिखियेगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

टीचर जी की बरसों की प्यास और चूत चुदाई-2

अब तक आपने पढ़ा.. मेरी मैम मुझे अपनी वासनापूर्ति के लिए किसी फंक्शन की कह कर अपने घर पर बुला लेती हैं और उधर उनकी चुदास ने मुझे उनकी प्यासी आग को बुझाने में मजा आने लगा था। अब आगे.. […]
Full Story >>>

बेशर्म चालू लेडी डॉक्टर की चूत की ठरक

हैलो फ्रेंड्स.. मेरा नाम राहुल है। मैं 28 साल का हूँ। मैंने यहाँ बहुत सी हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ी हैं। मैंने सोचा कि मुझे भी अपना अनुभव लिखना चाहिए। मैं यहाँ पहली बार लिख रहा हूँ। पहले मैं आप सभी […]
Full Story >>>

टीचर जी की बरसों की प्यास और चूत चुदाई-1

अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ने वाले सभी पाठकों को मेरा नमस्कार! मेरा नाम आकाश है, मेरी उम्र 28 साल है, मैं एक साधारण परिवार का साधारण नौजवान हूँ। मेरी हाईट 5’11” है और शारीरिक रूप से साधारण हूँ.. यानि मैं […]
Full Story >>>

नौकरी के लिए चूत चुदाई की शर्त

दोस्तो.. मेरा नाम राज जैन है.. मैं अन्तर्वासना बहुत सालों से पढ़ता आ रहा हूँ। मैं अन्तर्वासना की सेक्सी कहानियां पढ़कर रोज मुठ मारता था। सभी की सेक्सी कहानियां पढ़ने के बाद आज मैं भी पहली बार अन्तर्वासना पर कहानी […]
Full Story >>>

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-4

तभी जॉन नाश्ता लेकर आया नाश्ता करने के बाद नादिया फिर से उनके लंड को चूसने लगी। मैं समझ नहीं पा रही थी कि इतनी थकने के बाद भी इसमें चुदने की इतनी क्षमता है। कुछ ही देर में उसने […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Delhi Sex Chat

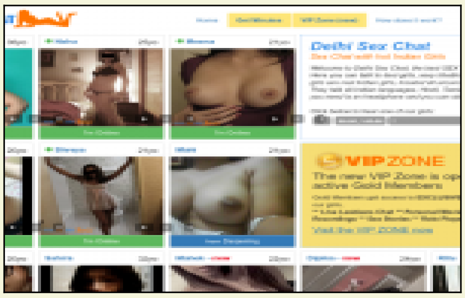

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Desi Kahani

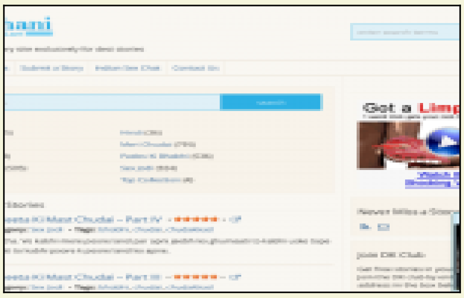

India's first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Antarvasna Gay Videos

Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun. Here you will find guys sucking dicks and fucking asses. Meowing with pain mixed with pleasures which will make you jerk you own dick. Their cums will make you cum.

Savitha Bhabhi

Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months. Visit the website and read the first 18 episodes of Savita Bhabhi for free.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire